छायावादी युग

(i) वैयक्तिकता -
(ii) प्रेम और सौन्दर्य -
(iii) वेदना और पलायनवाद -
(iv) राष्ट्रीय भावना
(v) मानवतावाद -
(vi) नारी के प्रति नवीन दृष्टिकोण -
(vii) अज्ञात सत्ता के प्रति आकर्षण -
(viii) अभिव्यक्ति की अन्वेषी पद्धति -
(ix) प्रकृति का मानवीकरण -
(x) मुक्त छंद

प्रगतिवाद

(i) पूँजीवाद का विरोध -
(ii) साम्यवाद का विरोध -
(iii) भाषा शैली -
(iv) सांस्कृतिक समन्वय -
(v) कलापक्ष
(vi) बौद्धिकता एवं व्यंग प्रयोग -
(vii) क्रांति की भावना -
(viii) शैल्पिक विशेषताएँ -
निष्कर्ष -

प्रयोगवाद

(i) विचारधारा से मुक्ति -

Scanned with CamScanner

(ii) सत्यान्वेषण -
(iii) व्यक्तिवाद -
(iv) यथार्थवादी दृष्टि
(v) लघुमानव की प्रतिष्ठा -
(vi) वासना की नग्न अभिव्यक्ति -
(vii) विद्रोह धार्मिकता -
(viii) शैल्पिक विशेषताएँ -
निष्कर्ष -

नई कविता

(i) व्यक्ति स्वतंत्रता -
(ii) आस्था एवं अनास्था -
(iii) औद्योगिक सभ्यता -
(iv) अनुभूति परकता -
(v) प्रकृति चित्रण -
(vi) शैल्पिक विशेषताएँ -
निष्कर्ष -

सठोत्तरी कविता

(i) मानववादी भावना
(ii) आत्म संघर्ष -
(iii) कल्याणकारी भावना -
(iv) प्रकृति प्रेम -
(v) अभिव्यंजना शक्ति
(vi) शैल्पिक विशेषता
(vii) राष्ट्रप्रेम
(viii) परिवार एवं समाज की तरक्की -

बलरामकुमार